



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्रधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

No. 27] नई दिल्ली, फ्रैंसवार, चूलाई 18, 1970/साप्ताह 27, 1892

No. 27] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 18, 1970/ASADHA 27, 1892

इस भाग में अन्त पृष्ठ तक वाली ही बाती है जिसमें इन यह अलग संकलन के रूप में रखा जा रहा।

Separate paging is given to this Part in order that it may be used as a separate compilation.

भाग II—भाग 4

PART II—Section 4

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए विविध नियम प्रीर प्रावेद्य

**Statutory Rules and Orders issued by the
Ministry of Defence**

MINISTRY OF DEFENCE

(Navy Branch)

New Delhi, the 2nd June 1970

S.R.O. 329.—In exercise of the powers conferred by section 184 of the Navy Act, 1957 (62 of 1957), the Central Government hereby makes the following Regulations further to amend the Naval Ceremonial, Conditions of Service and Miscellaneous Regulations, 1964, published with the notification of the Government of India in the Ministry of Defence No. S.R.O. 22E dated the 19th February, 1964, namely:

1. These Regulations may be called the Naval Ceremonial, Conditions of Service and Miscellaneous (6th Amendment) Regulations, 1970.

2. In the Naval Ceremonial, Conditions of Service and Miscellaneous Regulations 1964, in regulation 154, in sub regulation (2), after Explanation 1:—

(1) for the figure "2" appearing at the beginning of a fresh paragraph, the word and figure "Explanation 2" shall be substituted;

(2) for the figure "3" appearing at the beginning of another paragraph the following figure and heading shall be substituted, namely:—

"154A. Promotion to Lieutenant"

(Sd.) Illegible, Lt. Secy.

रक्षा भवानीय

(नौसेना विभाग)

मई दिनांकी, 2 जून 1970

का० नि० आ० 32० —नौसेना अधिनियम, 1957 (1957 का 62) की धारा 184 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के रक्षा भवानीय की अधिसूचना स० का० नि० आ० 22८० नारीब 19 फरवरी, 1964 के साथ प्रकाशित नौसेना समाराह, सेवा की गर्म और विविध विनियम, 1964 में और आगे समोष्टन करने के लिए, निम्नलिखित विनियम एवं दृढ़ाग बनाती है, अर्थात् —

1. ये विनियम नौसेना समाराह, सेवा की गर्म और विविध (छटा सशाधन) विनियम 1970 कहे जा सकेंगे।

2. नौसेना समाराह, सेवा की गर्म और विविध विनियम 1964 में विनियम 15३ में, उप विनियम (2) में, व्यवस्था 1 के पश्चात् —

(1) नए पैराग्राफ के आरम्भ में लिखित अक '2' के स्थान पर अब अक "प्राप्ति 2" प्रतिस्थापित किए जाएंगे,

(2) एक अन्य पैराग्राफ के आरम्भ में विलेखित अक '3' के स्थान पर निम्नलिखित अक और शीर्षक प्रतिस्थापित किए जाएंगे —

"134ए लफिटनेन्ट के रूप में पदान्वति"

(३०) अस्पष्ट, सम्बन्ध संक्षिप्त।